Samyak
An Institute For Civil Services

RAS - 23 MAINS TEST SERIES

सिद्धि-II - 018/FLT-02

Time : 3 Hours **(Paper - II)** **Maximum Marks : 200**

सामान्य ज्ञान व सामान्य अध्ययन-II
General Knowledge & General Studies-II

Name :		MARKS	
Enroll. No.:	Part	Att. Ques.	Marks Obtained
Date of Birth :	Unit- I	13	38 1/2
Medium : Hindi	Unit - II	13	44 1/2
E-mail :	Unit - III	12	35
Exam Date : 10-06-2024	Total	38	118
Evaluator's Code / Reviewer's Code	Invigilator's Signature	Student's Signature	

अनुदेश (Instructions)

1. परीक्षा शुरू होने से पहले पुस्तिका को जाँच लें।
Please check the booklet before the commencement of the exam.

2. अंक योजना प्रत्येक खंड के प्रारम्भ में दी गई है।
The marking scheme is given at the start of every section.

3. अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।
Candidates should not write more than the prescribed word limit in answers, violating this may result in deduction of marks.

4. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर उत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।
Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.

	REVIEW PARAMETERS	SCALE			
		Good	Above Average	Average	Below Average
1.	**DOES THE ANSWER ADDRESS THE DEMAND OF THE QUESTION?**			✓	
a.	**Answer Relevancy**		✓		
b.	**Answer Enrichment** points like use of: · **Key Terms/** Subject Vocabulary. · Use of Commission/ report/ government publication/ judgements, etc. · **Association with the Current Affairs** and use of examples to explain the concept and idea		✓ ✓		
2.	**HOW WELL IS THE ANSWER PRESENTED?**				
a.	**Structure** - Intro, Body, Conclusion		✓		
b.	**Presentation** – Using Subheadings/ points/ highlighting/ flowcharts/ diagrams/ maps		✓		
c.	**Language & Grammar**		✓		
d.	**Word limit**		✓		

Detailed Comments / Feedback / Suggestions for Improvement
विस्तृत टिप्पणियाँ/फीडबैक/सुधार के लिए सुझाव

=) राइटिंग अच्छी है।

=) पोईंट फोर्मेट व नक्शा, चित्र आदि अच्छी तरीके से प्रयुक्त।

=) पोईंट लिखने उसका थोड़ा सा विवरण भी दे जैसे- 'विद्युत परियोजनाएं'।

=) तथ्यों का प्रयोग ठीक है।

=) कुछ प्रश्नों को छोड़ना ज्ञानवर्धन की आवश्यकता है।

Unit – I (65 Marks)
(यूनिट – I) (65 अंक)

Part – A Marks : 10
भाग - अ अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. "प्रत्येक व्यक्ति का महत्त्व केवल एक व्यक्ति का महत्त्व है, इससे अधिक नहीं।" उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
"The importance of each person is only the importance of one person, not more than that." Explain the above statement.

(0)

"संगठन में शक्ति है" अर्थात् किसी व्यक्ति का महत्व सिर्फ स्वयं से ही नहीं होता अपितु सभी के महत्व के साथ होता है चूंकि हम सामाजिक प्राणी हैं व विवेकानंद जी के अनुसार भी ईश्वर की सेवा मतलब सभी व्यक्तियों का कल्याण व साथ चलने से है।

=> वैधम्य के इस कथनानुसार (विभिन्नता नहीं होनी चाहिए) अमीर-गरीब एक समान

(Write above this line only)

2. मानवीय चिंता का क्या तात्पर्य है?
What is meant by human concern?

(1/2)

मानवीय चिंता से तात्पर्य है जो मानव के लिये खतरा है व चिंतनीय है। => परिभाषा सही लिखें
जैसे – आतंकवाद, पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, भ्रष्टाचार

=> जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करने वाली समस्याएं

(Write above this line only)

3. नैतिकता का निर्धारण करने वाले बाहरी/बाह्य कारकों को नामोल्लेखित कीजिए।
Name the external factors that determine morality.

(2)

बाह्य कारक

① संवैधानिक प्रावधान
② प्राकृतिक न्याय
③ कानून
④ विनियम
⑤ विभागीय कार्यवाही

संसदगत, विधायी, न्यायपालिका

(Write above this line only)

4. ''सहानुभूति, परानुभूति से किस प्रकार भिन्न है?'' स्पष्ट कीजिए।
"How is sympathy different from empathy?" Explain.

(1)

सहानुभुति से तात्पर्य जब दुसरे के दुख के स्थान पर स्वयं को रखकर दुख की अनुभुति की जाती है।
जबकि परानुभुति में सिर्फ दुसरे व्यक्ति के दुख को समझा जाता है। सहानुभुति व्यापक अवधारणा है।

सहानुभुति
परानुभुति

सहानुभूति संज्ञानात्मक परानुभूति भावनात्मक सहा. पर.

(Write above this line only)

5. क्या गीता को कर्म सन्यास अथवा कर्म त्याग की अवस्था माना जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।
Can Gita be considered as a state of renunciation of action (Karma)? Explain.

(1½)

गीता निष्काम कर्म योग पर बल देती है जिसका तात्पर्य है कि बिना फल की इच्छा के अपने कर्म को करते रहना है। यहाँ कर्म का तात्पर्य स्वकर्तव्य का पालन है। कर्म सन्यास से तात्पर्य फल की चिन्ता किये बिना लगातार अपने कर्म को करते रहना है।

— कर्म त्याग नहीं अपितु फलासक्ति से रहित होकर कर्म

(Write above this line only)

Part – B (25 Marks)
भाग - ब (25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्द में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. "डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण का दर्शन समन्वयवादी दृष्टिकोण वाला है।" टिप्पणी लिखिए।
"Dr. Sarvepalli Radhakrishnan's philosophy has a approach of coordination." Comment. 3½

सर्वपल्ली राधाकृष्ण जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किया। राधाकृष्णन, राष्ट्रीयता व अन्तर्राष्ट्रीयता के मध्य समन्वय परिलक्षित करते थे। तथा उन्होंने आध्यात्मिक व भौतिकवाद के समन्वय पर बल दिया। हमें तात्कालिन परिस्थितियों के अनुसार मूल्यों का निर्धारण करना चाहिए तथा समन्वयता के आधार पर ही समाज का उत्थान किया जा सकता है। वसुधैव कुटुम्बकम् के आधार पर वैश्विक स्वतंत्रता की बात कही। ⇒ परम्परा व आधुनिकता के मध्य समन्वय

(Write above this line only)

2. "जनांकिकी समाज में मूल्यों के निर्धारण में सहायक है।" स्पष्ट कीजिए।
"Demography is helpful in determining values in society." Explain. 2

जनांकिकी से तात्पर्य (~~किसी क्षेत्र~~ विशेष) समाज में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या, वर्गवार विभेदन, जाति विभेदन, पुरुष-महिला की स्थिति से है।

सीखे जाने वाले मूल्य

① सकारात्मक मूल्य
→ सहानुभूति, परानुभूति, सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द, समानता, देश की एकता-अखण्डता,

② नकारात्मक मूल्य
साम्प्रदायिकता, जातिवाद, प्रतिस्पर्धा, अस्पृश्यता, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा,

⇒ जनांकिकी ⇒ घनत्व, लिंगानुपात, जीवन-प्रत्याशा इत्यादि का प्रभाव

(Write above this line only)

3. प्रतिबद्धता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए तथा नौकरशाहों को किसके प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए?
Explain the concept of commitment and what should bureaucrats be committed to?

3/2

प्रतिबद्धता - प्रतिबद्धता से तात्पर्य किसी व्यक्ति के अपने कार्यो (मुख्यत: स्वविवेक कार्यो), कर्मो, विचारो के प्रति उत्तरदायित्व होने से है। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की चतुर्थ रिपोर्ट "शासन में नैतिकता" में नीति (मूल्य) संहिता में प्रतिबद्धता का वर्णन।

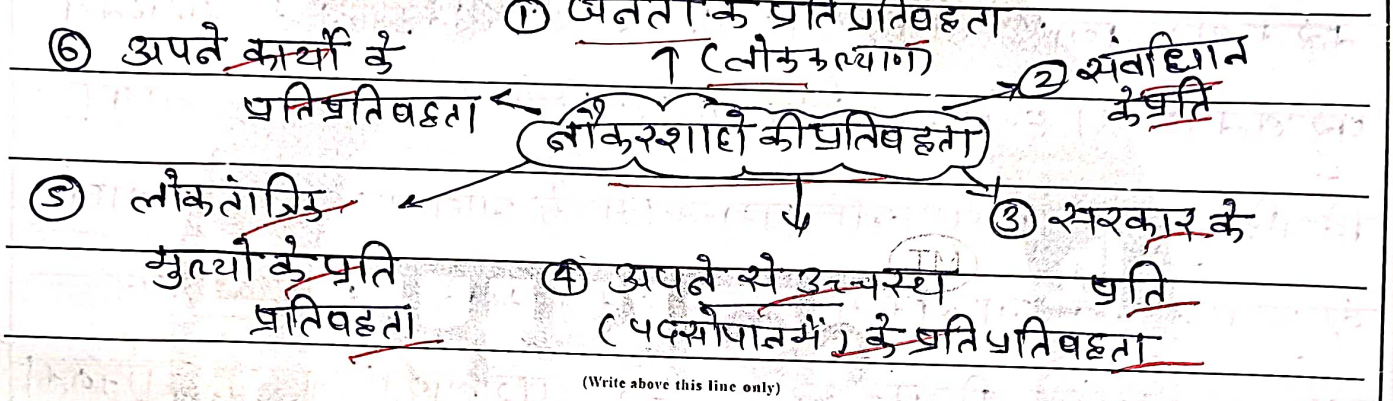

नौकरशाही की प्रतिबद्धता
1. जनता के प्रति प्रतिबद्धता (लोककल्याण)
2. संविधान के प्रति
3. सरकार के प्रति
4. अपने से उच्चस्थ (पदसोपान में) के प्रति प्रतिबद्धता
5. लोकतांत्रिक मुल्यों के प्रति प्रतिबद्धता
6. अपने कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता

(Write above this line only)

4. "गांधी का सर्वोदय का सिद्धांत अद्वैत मूलक अवधारणा का समर्थक है।" स्पष्ट कीजिए।
"Gandhi's principle of Sarvodaya is a supporter of the concept of Advaita." Explain.

3/2

गांधी का सर्वोदय सिद्धान्त से तात्पर्य किसी व्यक्ति के भौतिक, आध्यात्मिक व नैतिक उत्थान से संबंधित है। जो गांधीजी का सामाजिक दर्शन है। यह सिद्धान्त सभी व्यक्तियों की समानता (सभी वर्गों के संरक्षण) का समर्थक है।

अद्वैतमुलक, वेदान्त दर्शन का एक भाग है जिसके प्रतिपादक आदि-शंकराचार्य है यह भी सभी व्यक्तियो की समानता, सभी के उत्थान से संबंधित है। अत: गांधीजी व शंकराचार्य का अद्वैत सिद्धान्त, सभी वर्गों के उत्थान से संबंधित है।

सर्वोदय - रस्किन, थोरो - अंटू द लास्ट से

(Write above this line only)

सर्वोदय एवं अद्वैतवाद के सहसंबंध

5. अभिवृत्ति, मूल्य से कैसे भिन्न है? बताइये।
How is attitude different from value? Explain.

2½

मूल्य	अभिवृत्ति
① मूल्य से तात्पर्य व्यक्ति के वे गहरे विश्वास होते हैं जो सही-गलत, उचित-अनुचित में भेद	अभिवृत्ति से तात्पर्य किसी वस्तु, व्यक्ति, विचार के प्रति संज्ञानात्मक, व्यवहारात्मक, भावनात्मक प्रतिक्रियाएं हैं।
② मूल्य सामान्यतः जन्मजात	अभिवृत्ति सामान्यतः सीखी जाती है।
③ सामान्यतः देश, काल, परिस्थिति में एक समान।	समय के साथ अभिवृत्ति में परिवर्तन
④ मूल्य किसी कार्य के प्रति सही-गलत का भेद करते हैं।	अभिवृत्ति किसी कार्य, व्यक्ति, विचार के प्रति क्रिया करती है।
Ex – ईमानदारी, विवेक, उदारता मूल्य	Ex – सोच, मत, धारणा, विश्वास, अभिवृत्ति है।

(Write above this line only)

अधिक भावनात्मक आलोचना का अभाव — कम भावनात्मक आलोचना की प्रधानता

Part – C

(30 Marks)

भाग - स

(30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता के पतन के कारणों को लिखते हुए नैतिकता के पतन के विभिन्न पक्षों को वर्णित कीजिए। किसी लोक सेवक के निजी हित व व्यक्तिगत हित में टकराव की स्थिति में कौनसे हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए कारण सहित स्पष्ट करें।

6½

Describe the various aspects of moral degradation in public relations while writing the reasons for the decline of morality. In case of conflict between private interest and personal interest of a public servant, which interest should be given priority, explain with reasons.

सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता के पतन के कारण - लोक सेवक के समाज व लोकसेवा में संबंध से है।

कारण:
① बढ़ता हुआ भौतिकवाद
② अनु 311 के तहत लोकसेवकों का संविधान से संरक्षण
③ दहेज प्रथा भी भ्रष्टाचार का कारण
④ लोकसेवकों के विवेकाधिकार, विवेकाधिकारों व निर्णय शक्ति
⑤ वेतन संबंधी समस्याएं
⑥ अमर्त्य सेन के अनुसार भ्रष्टाचार का सामाजीकरण
⑦ भ्रष्टाचार द्वारा कमाये धन से समाज प्रतिष्ठा

उपरोक्त कारणों से सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता का पतन हो रहा है।

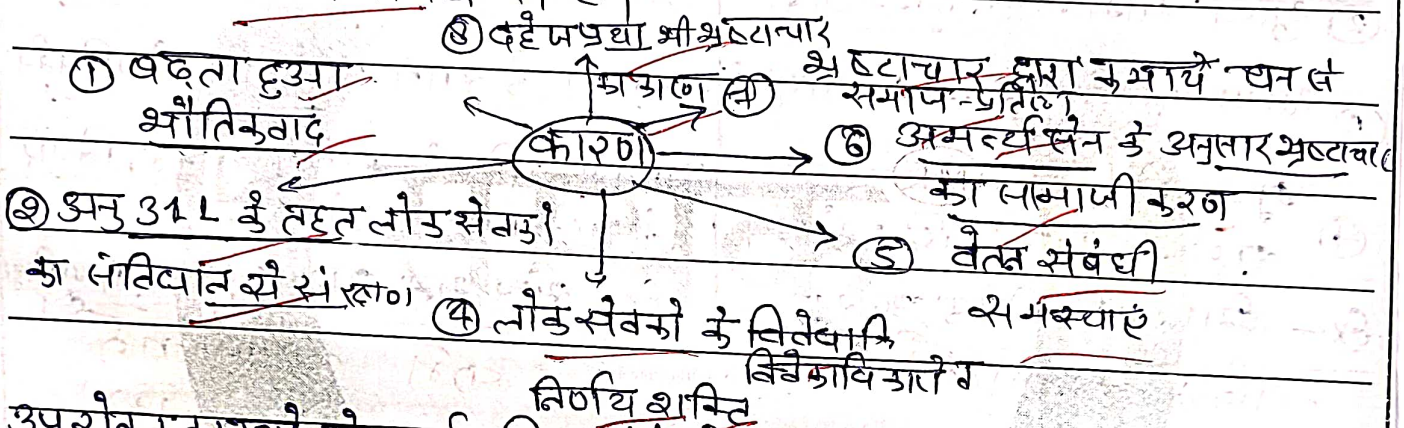

निजी-हित व सार्वजनिक हित में टकराव -

तात्पर्य है कि सार्वजनिक व निजी संबंधों में सामंजस्य ना होने पर टकराव से है। व्यक्ति (लोक सेवक) की बढ़ती महत्वाकांक्षा, विवेकाधिकार, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार के कारण, Conflict of interest की समस्या उत्पन्न होती है। लोकसेवक को टकराव की स्थिति में जन कल्याण व सार्वजनिक हितों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इसके लिए आचार संहिता व मूल्य संहिता का निर्माण किया गया है। शासन की नैतिकता में इसके टकराव स्थिति (हितों का संघर्ष) में मूल्यों की विस्तृत व्याख्या

⇒ प्रशासन में संवेदनशीलता की कमी का अभाव
∴ राजनीतिक (संवेदनशीलता)

(Write above this line only)

2. निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए/टिप्पणी लिखिए/Throw light on the following points/Comment.

1. गांधीजी के कथन 'अपने को पहले सुधारो' का क्या तात्पर्य है?
What is the meaning of Gandhiji's statement 'Reform yourself first'?
2. स्वामी विवेकानन्द के दर्शन के मूल में निहित नैतिकता का वर्णन कीजिए।
Describe the morality that lies at the core of Swami Vivekananda's philosophy.

6

① गांधीजी का प्रसिद्ध वाक्य - स्वयं में वह बदलाव लाइये जो आप दुसरो में देखना चाहते हैं। गांधीजी के अनुसार कोई भी दोष को दुसरो में खोजने से पहले स्वयं का मुल्यांकन करना चाहिए तथा स्वयं को सुधारकर ही, दुसरो के प्रति सही-गलत की अवधारणा रखनी चाहिए। गांधीजी के अनुसार यह युग परमाणु युग है जहाँ स्वयं को सुधार कर ही अन्य को सुधारा पासकता है। हृदय परिवर्तन संबंधी विचार, एकादशी व्रत, अंतर सर्वधर्मसमभाव के माध्यम से यदि हर व्यक्ति स्वयं को सुधारने का प्रयास करेगा तो सभी अपने आप सुधर जायेगा। इसी के आधार पर रामराज्य की संकल्पना गांधीजी ने प्रतिपादित की।

② विवेकानन्द के दर्शन में निहित नैतिकता -

नव्य वेदांती विचारक, जगत व ब्रह्म दोनो सत्य व जगत की परेशानियाँ मिथ्या

निहित नैतिकता
- ① भौतिकवाद व आध्यात्मिकवाद का समन्वय
- ② नर सेवा नारायण सेवा, अर्थात् मानव की सेवा ही सर्वोपरि
- ③ युवाओं को स्वंतत्रता आंदोलन के लिये प्रेरित [प्रसिद्ध वाक्य - "उठो, जागो व तब तक नही रुको जब तक लक्ष्य प्राप्ति न हो"]
- ④ आत्मत्यागकता, आत्मनियंत्रण, आत्मनियमन
- ⑤ महिलाओं की स्थिति सुधारने, जातिवाद, अस्पृश्यता समाप्त

विवेकानंद अनुसार "विचार भले ही नये रखो पन्तु संस्कार पुराने ही होने चाहिए।

(Write above this line only)

चरित्र निर्माण के 5 सूत्र - 1) आत्म विश्वास 2) आत्मनिर्भरता 3) आत्मज्ञान 4) आत्मत्याग 5) आत्मसंयम

3. **केस स्टडी-**

आप एक कम्पनी में एक साल से कार्यरत हैं। आपके अधीनस्थ सुरेश कुमार काफी कार्यकुशल तथा मेहनती व्यक्ति है। वे उत्तरदायित्व लेते हैं तथा काम को पूरा करके दिखाते हैं। हालाँकि आपने सुना है सुरेश कुमार महिलाओं के प्रति नकारात्मक टिप्पणियाँ करते हैं। आपके अधीनस्थ सुरेश कुमार के अधिन मोनिका नामक महिला कार्य करती हैं। मोनिका एक दिन आपके पास आती हैं। उन्हें देखने से प्रतीत होता है कि वे परेशान हैं, वे कहती हैं कि सुरेश कुमार लगातार उनकी ओर अनुचित ढंग से आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। यहाँ तक कि उन्होंने उनसे अपने साथ रात के भोजन के लिये कहीं बाहर चलने को कहा है। वह सुरेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराना चाहती हैं, आप क्या करेंगे तथा क्यों?

Case Study-

You have been working in a company for one year. Your subordinate Suresh Kumar is a very efficient and hardworking person. He takes responsibility and gets the work done. However, you have heard that Suresh Kumar makes negative comments about women. A woman named Monika works under your subordinate Suresh Kumar. Monika comes to you one day. Her tone seems to be upset, she says that Suresh Kumar is constantly trying to make inappropriate advances towards her. He has even asked her to go out for dinner with him. She wants to file a written complaint demanding action against Suresh Kumar, what will you do and why?

उपर्युक्त केस स्टडी में निम्नलिखित संघर्ष हैं –

(1) कार्यकुशलता बनाम महिला के अधिकारों की रक्षा।

(2) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन संरक्षण अधिनियम 2013 की पालना (कानून की पालना) V/S स्वविवेक

उपलब्ध विकल्प –

(1) अधीनस्थ सुरेश कुमार के कार्यकुशल होने के कारण सुरेश का पक्ष लेना व महिला की बात ना सुनना।

(2) मोनिका की बात सुनकर, सुरेश को आगे के लिये वार्निंग देना

(3) महिलाओं के कार्यस्थल पर अधिकारों के संरक्षण 2013 कानून की पालना करते हुये मोनिका की शिकायत को लिखित में दर्ज करवाके, उसे आगे की प्रक्रिया में सहयोग दिलाना। व सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना।

6

विकल्पों का चुनाव -

① चुंकि सुरेश कार्यकुशल है केवल इसी आधार पर उसका पक्ष नहीं लिया जा सकता अतः उसके विरुद्ध सभी पक्षों को सुनना।

② कानून की पालना नहीं करना, आचार संहिता के विरुद्ध है अतः सुरेश को सिर्फ वार्निंग देकर नहीं छोड़ सकते अपितु दोनों पक्षों को सुनकर कानून के अनुसार प्रक्रिया अपनाना।

③ तीसरे विकल्प का चुनाव। क्योंकि कार्यस्थल पर महिला की सुरक्षा व सम्मान सर्वोपरि है जिसे कानून के माध्यम से भी व्यवस्था की जाती है अतः मोनिका की लिखित शिकायत दर्ज करने में मदद करेंगे तथा उसे यथासंभव सहायता प्रदान कर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवायेंगे।

उत्तर अच्छा है, मगर "विशाखा" गाइडलाइन (सुप्रीम कोर्ट) जो कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा से संबंधित है का उल्लेख होना चाहिए।

Unit – II
(यूनिट – II)

(65 Marks)
(65 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. प्रतिनिषेचक औषधि किसे कहते हैं? किन्हीं चार प्रतिनिषेचक रसायनों के नाम लिखिए।
What is called antifertilizer drug? Write the names of any four antifertilizer chemicals.

(2)

प्रतिनिषेचक औषधि – प्रतिनिषेचक औषधि से तात्पर्य ऐसी औषधि से है जो निषेचन क्षमता को कम करती है तथा गर्भ निरोधक के रूप में प्रयोग की जाती है। उदाहरण – ① नोवएस्ट्राल ② माला-D ③ अन्तरा ④ सोयाबीन, गाजर के बीज (प्राकृतिक प्रतिनिषेचक औषधि)

इनके रासायनिक नाम लिखें। स्टिरॉन, एनाइलिन आदि

(Write above this line only).

2. डॉप्लर प्रभाव के दो अनुप्रयोग लिखिए।
Write two applications of Doppler effect.

(1½)

डॉप्लर प्रभाव से तात्पर्य ध्वनि की तीव्रता में अधिकता व न्यूनता से है।

② पुलिस द्वारा अपराधियों की ट्रैकिंग करने में ← डॉप्लर प्रभाव → ① सैन्य क्षेत्र में
↓
③ वस्तुओं की ट्रैकिंग करने में।

=) वायुयान व पनडुब्बियों की वेग ज्ञात करने में
स्पीकर्स की ध्वनि आवृति में बदलाव है।

(Write above this line only).

3. डी-ऑक्सी राइबोन्यूक्लिओटाइड अणु के घटक अणुओं के नाम लिखिए।
Write the names of the constituent molecules of deoxyribonucleotide molecule.

DNA के घटक - ① नाइट्रोजनी क्षारक (एडिनीन, थायमीन, ग्वानीन, यूरेसिल, साइटोसीन)
② न्यूक्लियोसाइड + फास्फेट अणु
③ न्यूक्लियोटाइड

(Write above this line only)

4. औद्योगिक इंटरनेट की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of Industrial Internet.

औद्योगिक इंटरनेट से तात्पर्य उद्योगों में इंटरनेट के प्रयोग से है। औद्योगिक विकास 4.0, इंटरनेट पर ही आधारित है जिसमें क्लाउड कम्प्यूटिंग, रोबोट, AI, क्लाउड कम्प्यूटिंग जो इन्टरनेट के माध्यम से क्रियान्वित मुख्य आधार है।

(Write above this line only)

5. मानव तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार रासायनिक हथियारों के नाम लिखिए।
Write the names of any four chemical weapons that affect the human nervous system.

रासायनिक हथियार - ① मस्टर्ड गैस
② सरीन
③ तबुन

(Write above this line only)

Part – B
भाग - ब

(25 Marks)
(25 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर T-सेल थैरेपी (CART Therapy) पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on Chimeric Antigen Receptor T-Cell Therapy (CART Therapy).

(3½)

→ हाल ही में भारतीय औषधि संस्थान ने CART थैरेपी के औद्योगिक उपयोग को मंजुरी ।

→ यह कैंसर से लड़ने के लिये इम्युनोथैरेपी हैं ।

→ इसके अन्तर्गत व्यक्ति की T कोशिका का प्रयोग किया जाता है ।

→ T कोशिका को प्रयोगशाला में आनुवांशिक उपचार कर कैंसरपीड़ित में वापस इन्जेक्ट किया जाता है → कीमोथैरेपी, इम्युनोथैरेपी से बेहतर

(Write above this line only)

2. उपग्रह आधारित इंटरनेट क्या होता है? उपग्रह आधारित इण्टरनेट के लाभों के उल्लेखित कीजिए।
What is satellite based internet? Mention the advantages of satellite based internet.

(3)

उपग्रह जो LEO, MEO, GEO में स्थापित किये जाते है के माध्यम से इंटरनेट की प्राप्ति उपग्रह आधारित इंटरनेट कहलाता है ।

लाभ:
① बेहतर इंटरनेट सेवा की उपलब्धि
② इंटरनेट की सुलभ प्राप्ति
③ इंटरनेट पर अन्य देशों पर निर्भरता में कमी
④ बेहतर कनेक्टिविटी व सुचारु संचार की प्राप्ति

⇒ वैश्विक कवरेज

⇒ आपदा राहत कार्यों में प्रभावी

(Write above this line only)

3. आयुष सेवा/पद्धति में सम्मिलित चिकित्सा पद्धतियों के नाम लिखिए तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ बताइये।
Write the names of the medical systems included in AYUSH service/system and tell the challenges faced by traditional medical systems.

(2½)

भारत सरकार द्वारा आयुष के महत्त्व को देखते हुये आयुष नीति व इसके तहत राज. सरकार द्वारा 2015 में आयुष विभाग बनाया गया

AYUSH

① आयुर्वेद ② योगा ③ यूनानी ④ सिद्धा ⑤ होम्योपैथिक

सोवा रिग्पा

चुनौतियाँ:

① पारम्परिक चिकित्सा जटिल व मंहगी प्रणाली

② पारम्परिक चिकित्सा के साइड इफेक्ट अधिक

③ पारम्परिक चिकित्सा के लिये बेहतर अवसंरचना में कमी [जनसंख्या के अनुपात में]

④ पारम्परिक चिकित्सा के लिये उपलब्ध संसाधनों में कमी

=> विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव

=> आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों से प्रतिस्पर्द्धा

(Write above this line only)

4. विद्युत प्रतिरोध को परिभाषित करते हुए प्रतिरोध को प्रभावित करने वाले कारकों पर टिप्पणी लिखिए।
Define electrical resistance and write a note on the factors affecting resistance.

(3½)

विद्युत प्रतिरोध — धारा (विद्युत) के मार्ग में उत्पन्न अवरोध को विद्युत प्रतिरोध कहा जाता है। ओम के नियम द्वारा ज्ञात किया जाता

$V = IR$ — V = विभवान्तर, R = प्रतिरोध, I = धारा

प्रतिरोध को प्रभावित करने वाले कारक →

① तार की लम्बाई पर = $R \propto L$ [तार की लम्बाई बढ़ने पर प्रतिरोध बढ़ेगा]

② तार के क्षेत्रफल पर = $R \propto \frac{1}{A}$ [क्षेत्रफल बढ़ने पर प्रतिरोध कम]

③ पदार्थ की प्रकृति पर = पदार्थ धातु, अधातु, उपधातु किससे बना है।

④ पदार्थ के ताप पर — ताप बढ़ने पर सामान्य धातु में प्रतिरोध बढ़ता है

=> चालक की अनुप्रस्थ काट

(Write above this line only)

5. परिरक्षक क्या होते हैं? परिरक्षकों के आवश्यक गुणों को लिखते हुए किन्हीं चार परिरक्षकों के नाम लिखिए।
What are preservatives? Write the names of any four preservatives while describing the essential properties of preservatives.

(3)

परिरक्षक - परिरक्षक वे होते हैं जो भोजन को सड़ने से बचाते हैं (खाद्य पदार्थ) तथा खाद्य पदार्थ की आयु सीमा को बढ़ाते हैं।

=> उच्च ताप सहनशीलता
=> अल्प उच्च क्रियाशीलता का अभाव

आवश्यक गुण:
① खाद्य पदार्थ को नुकसान ना पहुँचाये
② कम मात्रा में ही अधिक उपयोगी हो।
③ खाद्य पदार्थों के साथ क्रिया ना करे।
④ खाद्य पदार्थों की आयु सीमा को बढ़ाये।

परिरक्षक — ① सार्बिक अम्ल (सार्बेट) ② एस्पार्टेम ③ सिरका ④ बेंजोइक अम्ल

सोडियम बेंजोएट, पेराबीन्स, साधारण नमक, खाद्य तेल

(Write above this line only)

6. पादप कोशिका व जन्तु कोशिका में मूलभूत अन्तर लिखिए।
Write the basic differences between plant cells and animal cells.

(2½)

पादप कोशिका	जन्तु कोशिका
① पादप कोशिका में कोशिका भित्ति पाई जाती है।	जन्तु कोशिका में कोशिका भित्ति नहीं पायी जाती है।
② हरितलवक पाया जाता है क्योंकि प्रकाश संश्लेषण द्वारा भोजन	हरितलवक नहीं पाया जाता है। भोजन स्वयं नहीं बनाते।
③ तारककाय अनुपस्थित	तारककाय उपस्थित
④ रिक्तिका संख्या व साइज में बड़ी	रिक्तिका कम व साइज में भी छोटी

(Write above this line only)

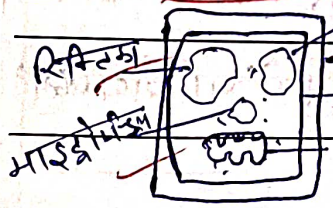

=> आयतकार — अण्डाकार
=> सेन्ट्रोसोम अनुपस्थित — सेन्ट्रोसोम उपस्थित

Part – C
भाग - स

(30 Marks)
(30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए/टिप्पणी लिखिए।/Throw light on the following points/Comment.
   1. हाइड्रोजन आबंधन/Hydrogen bonding
   2. अम्ल-क्षारक के सन्दर्भ में ब्रन्स्टेद-लोरी की संकल्पना/Brunsted-Lowry concept in context of acid-base
   3. भँवर धाराएँ व इनके अनुप्रयोग/Eddy currents and their applications

(3½)

① हाइड्रोजन आबंधन - हाइड्रोजन-हाइड्रोजन के मध्य बनने वाले बंध को हाइड्रोजन बंध कहा जाता है। यह अन्य बंधों की अपेक्षा अधिक मजबूत बन्ध होते हैं। हाइड्रोजन, कार्बन के साथ मिलकर कार्बनिक यौगिकों H—H का निर्माण करते हैं। ⇒ अंतर अणुक आबंध
जैसे - CH_4, C_2H_6 (एकल बंध, द्विबंध, त्रिबंध) तथा हाइड्रोजन ऑक्सीजन के साथ मिलकर जल का निर्माण करता है। ⇒ अंतरा अणुक आबंध

② ब्रान्स्टेड लॉरी की अवधारणा - ब्रान्स्टेड व लोरी ने अम्ल व क्षार के लिये निम्न अवधारणा दी। इनके अनुसार
→ अम्ल वे होते हैं जो प्रोटॉन त्यागते हैं तथा संयुग्मी क्षार का निर्माण करते हैं। अम्ल प्रोटॉन H^+ दाता
→ क्षार वे होते हैं जो प्रोटॉन ग्रहण करते हैं तथा संयुग्मी अम्ल का निर्माण करते हैं। क्षारक प्रोटॉन H^+ ग्राही

$$HA + B \longrightarrow H^+ + AB$$

अम्ल क्षार संयुग्मी अम्ल
संयुग्मी क्षार

③ भँवर धाराएँ - उपयोग - साइक्लोट्रोन में
⇒ किसी चालक में परिवर्ती चुंबकीय क्षेत्र में उत्पन्न विद्युत धारा)
विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में गतिमापक में

(Write above this line only)

6½

2. निम्न बिन्दुओं पर टिप्पणी लिखिए/प्रकाश डालिए/Write a note/ throw light on the following points.

1. लाइकेन/Lichen

2. पाचन तंत्र के विभिन्न भाग/अंगों में अवशोषित होने वाले भोज्य/खाद्य घटक/Food components absorbed in different parts/organs of the digestive system

① **लाइकेन** – लाइकेन एक प्रकार का सहजीवी संबंध होता है।

→ यह सहजीवी संबंध (कवक व शैवाल) के मध्य पाया जाता है।

→ सहजीवी संबंध से तात्पर्य है कि दोनो एक दुसरे पर निर्भर हैं।

→ इस सहजीवी संबंध में कवक, शैवाल को रहने के लिये स्थान देता है तो कवक के लिये, शैवाल भोजन का निर्माण करता है। इस प्रकार दोनो एक दुसरे पर [भोजन व आवास] के लिये निर्भर रहते हैं। तथा लाइकेन का निर्माण करते हैं। → ये पर्यावरण प्रदूषण के सूचक

[नील हरित शैवाल [शैवाल] + माइकोराइजा (कवक)]

②(i) **पाचन तंत्र के विभिन्न भाग** – पाचन तंत्र निम्न भागो से मिलकर बना होता है। मुख → मुखगुहा → ग्रसनी → ग्रासनाल → अमाशय → छोटी आंत (ग्रहणी) → बड़ी आंत (क्षुद्रांत्र, बृहदांत्र) → एनस

सहायक ग्रंथि [पाचन तंत्र] – ① लारीय ग्रंथि ② यकृत ③ अग्नाशय ग्रंथि

(ii) अंगो में अवशोषित होने वाला भोज्य घटक – पाचन तंत्र में पाचक रसो द्वारा भोजन को पाचित किया जाता है तथा मुख्यत: बड़ी आंत वाले भाग से अधिकतर पाचित भोजन का अवशोषण कर रक्त में मिला दिया जाता है। (एनस)

(Write above this line only)

मुख, आमाशय, छोटी आंत, बड़ी आंत।

3. निम्न पर टिप्पणी लिखिए/Write a note on the following.

1. राजस्थान सरकार की बौद्धिक सम्पदा नीति के लक्ष्य/Goals of the intellectual property policy of the Rajasthan government
2. आदित्य L-1 पर लगे पेलोडस के नाम व आदित्य L-1 के प्रेक्षपण के उद्देश्य/Names of payloads on Aditya L-1 and objectives of Aditya L-1 launch.
3. भारत में रोबोटिक्स के विकास के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ/Challenges faced in the development of robotics in India

① राजस्थान सरकार की बौद्धिक सम्पदा नीति के लक्ष्य – (5½)

जारीकर्ता – राजस्थान विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा → उद्योग [illegible]

लक्ष्य:
① राजस्थान के संबंध में पेटेन्टो के लिये सुरक्षित पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण करना
② बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में राजस्थान को भारत में अग्रणी राज्य बनाना।
③ भारत की बौद्धिक संपदा नीति व पेटेंट अधिनियम 1970 की पालना करना।
④ राजस्थान की बौद्धिक सम्पदा के संबंध में पेटेंट प्राप्त करना।

(शाखा) के [illegible] साझेदारी

② आदित्य L-1 प्रक्षेपण के उद्देश्य – निम्न उद्देश्य – ① सूर्य के कोरोना भाग की जांच करना ② सूर्य के क्रोमोस्फीयर व फोटोस्फीयर का अध्ययन
③ सूर्य मिशन के अन्तर्गत भारत को विश्व में अग्रणी देश बनाना।
④ सूर्य से आने वाली सौर विकिरण का अध्ययन करना।
⑤ सूर्य के L1 स्थिति [सूर्य व पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण जिस जगह बराबर] का अध्ययन।

कुल 7 [illegible] पैलोड

③ भारत में रोबोटिक्स के विकास के समक्ष चुनौती → रोबोटिक्स से तात्पर्य रोबोट के निर्माण, परिचालन व अनुप्रयोग से है।

चुनौती:
① अवसंरचना का क्रम विकास
② तकनीकी के लिये उपलब्ध संसाधनों में कमी
③ रोबोट के क्रियान्वयन से संबंधी चुनौती
④ रोबोट द्वारा मानव का स्थान लेने संबंधी चुनौती
⑤ कुशल व दक्ष कार्मिकों की कमी

(Write above this line only)

रोबोटिक्स के अनुसंधान के [illegible] का अभाव
नियामक कानूनों का अभाव, विशेषज्ञ संस्थानों की कमी

(Unit – III) (70 Marks)

(यूनिट – III) (70 अंक)

Part – A (10 Marks)

भाग - अ (10 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 15 words each. Each Question carries 2 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

1. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार 'लघु ग्रीष्म तथा ठण्डी शीत ऋतु जलवायु' वाले प्रदेशों/राज्यों के नाम लिखिए।
According to Koppen's climate classification, write the names of regions/states with 'short summer and cold winter climate'.

(0)

मुख्यत: प्रायद्वीपीय क्षेत्र, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश आदि

✗

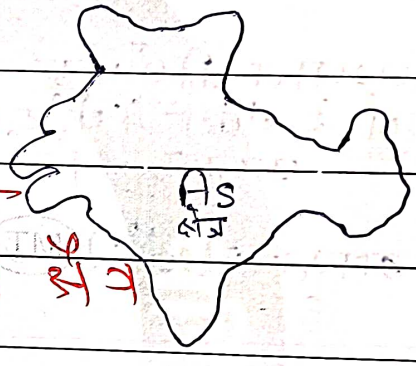

=> उत्तरी एवं उत्तरपूर्वी हिमालय क्षेत्र

(Write above this line only)

2. विकास की प्रक्रिया/अवस्था के आधार पर पठारों का सोदाहरण वर्गीकरण कीजिए।
Classify plateaus on the basis of process/stage of development with examples.

(1)

विकास की प्रक्रिया के आधार पर

नवीन ① युवावस्था पठार Ex- कोलंबिया का पठार

कोलोरेडो पठार

② जरावस्था पठार

③ वृद्धावस्था (प्रौढ़) पठार

④ पुनर्युवनित पठार USA का मिसौरी पठार

इनके उदाहरण पठारों के नाम भी लिखें

रांची का पठार

(Write above this line only)

3. भारत की पश्चिमी तटीय सीमा पर स्थित तटों का क्रमागत सविस्तार नाम लिखिए।
Write the names of the coasts situated on the western coastal border of India in sequence.

① कच्छ, काठियवाड़ व गुजरात मैदान [गुजरात]
② कोंकण का मैदान [महाराष्ट्र व गोवा]
③ कन्नड़ का मैदान [बैंगलोर, कनरिक]
④ मालाबार तट [केरल]

2

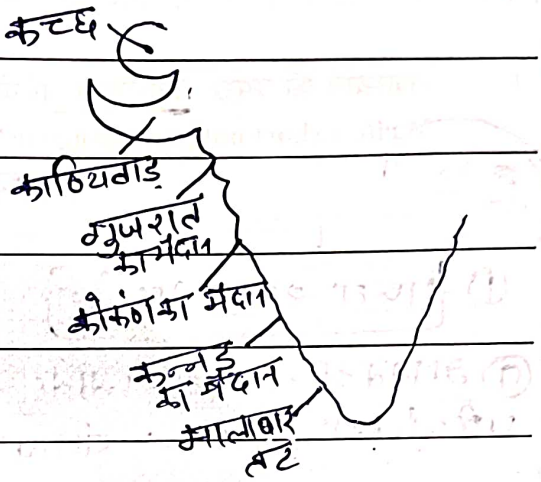

(Write above this line only)

4. जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार राज्य के न्यूनतम साक्षरता वाले चार जिलों के (साक्षरता प्रतिशत) नाम लिखिए।
According to Census 2011, write the names of four districts of the state with minimum literacy (literacy percentage).

0

① डूंगरपुर
② बांसवाड़ा
③ धौलपुर
④ जैसलमेर

जालौर, सिरोही, प्रतापगढ़, बालवाड़

(Write above this line only)

5. राजस्थान के अग्रणी/शीर्ष मक्का उत्पादक जिलों के नाम लिखिए।
Write the names of leading/top maize producing districts of Rajasthan.

राजस्थान में मुख्यतः मक्का दक्षिणी भाग में पाया जाता है। उदयपुर

2

राजसमंद
डूंगरपुर
बांसवाड़ा

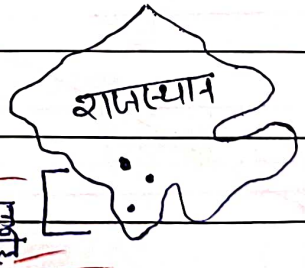

(Write above this line only)

Part – B
भाग - ब

(30 Marks)
(30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 50 words each. Each Question carries 5 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं।

1. राजस्थान की प्रमुख जल-विद्युत परियोजनाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on the major hydroelectric projects of Rajasthan.

2½

राजस्थान की जल विद्युत परियोजना

① राज्य-राज्य सहयोग
② राज्य द्वारा स्वयं संचालित – अनास बांध परियोजना
③ केन्द्र द्वारा संचालित Ex – टिहरी, उकाई, उरी, सलाल विद्युत परियोजना

ⓐ भाखड़ा नांगल जलविद्युत परियोजना [राज्य :- पंजाब-हरियाणा]

ⓑ माही जल विद्युत परियोजना [राजस्थान + गुजरात]

ⓒ नर्मदा नहर जलविद्युत परियोजना [राज्य + मध्यप्रदेश + महाराष्ट्र + गुजरात]

ⓓ चंबल नहर जल विद्युत परियोजना [राजस्थान + मध्य प्रदेश]
→ राणा प्रताप सागर
→ जवाहर सागर

संक्षिप्त परिचय भी लिखें

(Write above this line only)

2. भारत में घीया पत्थर के उत्पादन में राजस्थान का स्थान चिन्हित करते हुए राज्य के प्रमुख घीया पत्थर उत्पादक क्षेत्रों के नाम लिखिए।

किस नंबर पर कहां स्थान है

Identifying the position of Rajasthan in the production of Ghiya stone in India, write the names of the major Ghiya stone producing areas of the state.

0

(Write above this line only)

3. वैश्विक पर्यावरण सुविधा पर चर्चा करते हुए इसके द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय अभिसमयों के नाम लिखिए।
While discussing the Global Environment Facility, write the names of the international conventions that receive financial assistance from it.

(2)

वैश्विक पर्यावरण सुविधा से तात्पर्य विश्व में पर्यावरण प्रदुषण के मुख्य कारणों पर ध्यान देते हुये उनके समाधान करने से है जो विभिन्न संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त कर पर्यावरण बचाव के लिये, देशों की मदद करता है।

⇒ निम्नांकित अभिसमय

① CBD जैवविविधता अभिसमय

= स्टॉकहोम अभिसमय

UNCCD.

② UNFCC

③ World Bank

(Write above this line only)

4. विश्व के प्रमुख शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on the major temperate grasslands of the world.

3½

शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान - वे मैदान जो 30° - 66½ के मध्य पाये जाते हैं। शीतोष्ण घास मैदान कहलाते हैं।

Eg - प्रेयरी (उत्तरी अमेरिका), पम्पास (दक्षिणी अमेरिका), सवाना, डाउन्स (आस्ट्रेलिया)

प्रेयरी - उत्तरी अमेरिका में

↳ मुख्यत: रेड इण्डियन जनजाति

↳ बिल्लौतघड़ी, मक्का, खाद्यान्न अतिपरिक

पम्पास - दक्षिणी अमेरिका में
↳ अमेजन क्षेत्र में

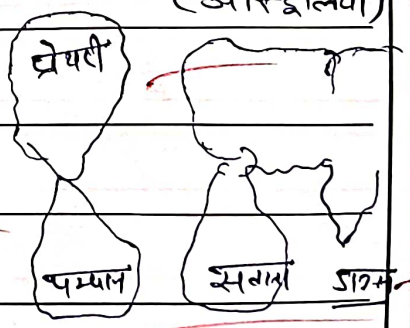

डाउन्स - ऑस्ट्रेलिया - मर्रे डार्लिंग नदी पर

(Write above this line only)

5. "भारत की भौगोलिक अवस्थिति भारत के लिए लाभदायक है।" सतर्क बताइये।
The geographical location of India is beneficial for India. Explain.

3½

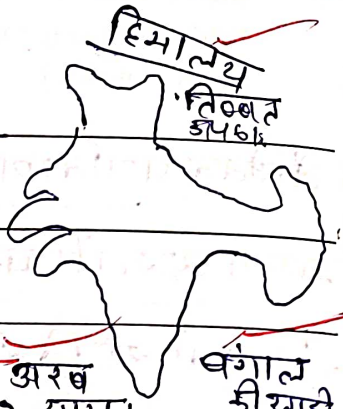

भारत एशिया के दक्षिणी भाग में पाया स्थित है जो निम्न कारणों से लाभदायक है।

① हिमालय की स्थिति – भारत को उपमहाद्वीप की संज्ञा
↳ भारत की सीमा की रक्षा। रूस व अन्य देशों से आने वाली बर्फीली हवा से रक्षा। विभिन्न औषधियों की प्राप्ति। मानसून के लिये उत्तरदायी

② अरब सागर व बंगाल की खाड़ी – भारत में वर्षा करवाने के लिये उत्तरदायी, मत्स्य क्षेत्र, बंदरगाह का निर्माण, व्यापारिक गतिविधि, [illegible] मुख्यमान संभावना

(Write above this line only)

⇒ हिन्द महासागर यातायात व मत्स्यन हेतु

(Write above this line only)

(Unit – III) (यूनिट – III) (30 Marks)

Part – C (भाग - स) (30 अंक)

Note : Attempt all questions. Answer the following questions in 100 words each. Each Question carries 10 marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित हैं।

1. राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों को उल्लेखित करते हुए राजस्थान की जलवायु के लिए थार्नवेट द्वारा प्रतिपादित वर्गीकरण लिखिए।

Write the classification proposed by Thornthwaite for the climate of Rajasthan, mentioning the factors affecting the climate of Rajasthan.

6½

राजस्थान में उपोष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायु पाई जाती है।
जिसे निम्न कारक प्रभावित करते हैं —

① राजस्थान की अक्षांशीय स्थिति - 23°03 - 30°12 अतः उपोष्ण कटिबंधीय

② समुद्र तट से दूरी - समुद्र से दूर अतः जलवायु का विषमकारी प्रभाव

③ समुद्र तल से ऊँचाई - ऊँचाई कम होने के कारण शुष्क जलवायु

④ उच्चावच - अरावली की स्थिति, पश्चिम-शुष्क, पूर्वी भाग-आर्द्र, उपार्द्र

⑤ तापमान - विषमकारी प्रभाव से सामान्यतः तापमान उच्च

⑥ वर्षा व आर्द्रता - वर्षा की मात्रा में असमानता (पूर्व अधिक, पश्चिम-शुष्क)

* थार्नवेट द्वारा प्रतिपादित वर्गीकरण

थार्नवेट ने ताप, आर्द्रता, वाष्पोत्सर्जन के आधार पर वर्गीकरण किया

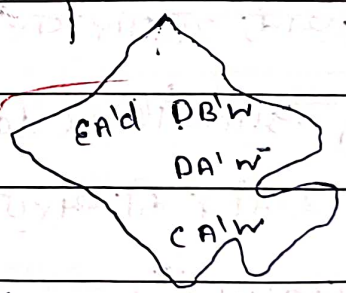

① EA'd - राजस्थान का पश्चिमी व उ. पश्चिमी भाग, जैसलमेर, गंगानगर, बाड़मेर
वर्षा-20-40cm, तापमान-उच्च

② DB'w - उत्तरी व मध्य राजस्थान, वर्षा 40-70 cm

③ DA'w - पूर्वी व मध्य राजस्थान वर्षा 70-100 cm

④ CA'w - दक्षिणी भाग, डूंगरपुर बांसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़ आदि वर्षा 80-120cm उपार्द्र, आर्द्र

→ इसमें वनस्पति एवं विशेषता लिखें।

(Write above this line only)

2. निम्न बिन्दुओं पर टिप्पणी लिखिए/प्रकाश डालिए/Write a note/ throw light on the following points.

1. भारत में धरातलीय जल संसाधन की स्थिति व उपयोग/Status and use of surface water resources in India
2. भारत में लौह अयस्क खनन की पेटियाँ/Belts of iron ore mining in India

(5 2)

② भारत में लौह अयस्क खनन की पेटियाँ – भारत में चार लौह अयस्क की पेटी पाई जाती है।

① झारखण्ड – ओडिशा पेटी – बैलाडिला, राजहल्लीहरा आदि

② महाराष्ट्र – गोवा पेटी – रत्नागिरी, पणजी आदि

③ कर्नाटक – चिकमंगलूर पेटी – कर्नाटक में बाबा बूदन पहाड़ियाँ, कुद्रेमुख क्षेत्र

④ बेल्लारी – होसपेट पेटी – तमिलनाडु, केरल

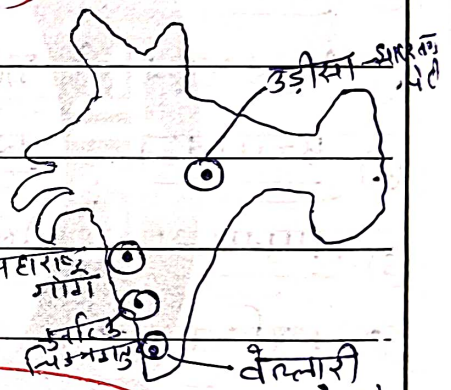

① भारत में धरातलीय जल संसाधन की स्थिति व उपयोग –

धरातलीय जल संसाधन से तात्पर्य उस जल से है जिसे धरातल के अन्दर से प्राप्त किया जाता है। जैसे– बोरिंग द्वारा

(धरातल (सरफेस) नदी, तालाब, झीलें इत्यादि से प्राप्त जल)

इसके आधार पर निम्न श्रेणी

① अतिदोहित (dark zone) ② दोहित ③ सेफ जोन (सुरक्षित)

डार्कजोन की संख्या, बदलते हुये परिवेश में बढ़ रही है जो चिन्ता का विषय है।

कृषि कार्य – 89%

घरेलू कार्य – 9%

उद्योगों – 2%

धरातलीय जल का प्रयोग:
① पेयजल संबंधी उपयोग
② कृषि में सिंचाई संबंधी उपयोग
③ उद्योगों में धरातलीय जल का प्रयोग
④ विद्युत निर्माण में

(Write above this line only)

3. हिन्द महासागर क्षेत्र का भारत के लिए महत्व उल्लेखित करते हुए वर्तमान में इस क्षेत्र में भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियाँ बताइये।
Mentioning the importance of the Indian Ocean region for India, tell the challenges currently faced by India in this region.

6½

हिन्द महासागर - हिन्द महासागर विश्व के पांच महासागरों में से एक है। तथा भारत के दक्षिणी भाग चारों ओर हिन्द महासागर से फैला हुआ है जो सामरिक दृष्टि से भारत के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महत्व -

① सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण क्योंकि भारत के दक्षिणी भाग के चारों ओर हिन्द महासागर पाया जाता है।

② खनिज संसाधनों की उपलब्धता।

③ मत्स्य क्षेत्र से संबंधित महत्व

④ बढ़ते वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कुटनीतिक रूप से, चीन को प्रतिसंतुलित व अन्य देशों के हिन्द महासागर में प्रभाव ⑤ भारत का वैश्विक व्यापार का अधिकांश व्यापार इसी मार्ग से।

चुनौती - ① चीन के हिन्द महासागर में बढ़ते प्रभाव (स्ट्रिंग ऑफ पर्ल स्ट्रेटजी) को प्रतिसंतुलित करना।

② एशिया में चीन के लिये भारत मुख्य प्रतिस्पर्धी होने के कारण हिन्द महासागर के द्वीपों व देशों को Debt ट्रैप में फंसाना (जैसे - श्रीलंका का हम्बनटोटा, म्यांमार का कोको द्वीप, मालदीव में सैन्य स्थल)

③ विभिन्न वैश्विक (अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस) की हिन्द महासागर में रुचि
(डिएगोगार्सिया) (रियूनियन द्वीप)
परन्तु भारत अपनी एक्ट ईस्ट, फिशर पॉलिसी, नेकलेस ऑफ डायमण्ड व मालाबार संयुक्त अभ्यास, QUAD के माध्यम से चुनौतियों को बेहतर सामना।

(Write above this line only)

सुरक्षा चुनौतियां, समुद्री डकैती, अवैध हथियारों की तस्करी 2(4)½

Samyak
An Institute For Civil Services

लगातार TOPPERS
की सफलता का वाहक

1650+ Selection in Last 4 RAS Exams

RAS Pre Cum Mains

TEST SERIES with Mentorship

TOTAL 54 TEST PAPERS

31 Topicwise Test + 9 Revision Test +
6 Pre. Full Test + 8 Mains Full Test

हिन्दी & English Medium | Online & Offline

Starts From 09 JUNE @ 10 am

Discount 20%
Till 9 June 2024
Use Coupon Code: SAMYAKTEST20

Features:
- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश (with Strategic Blueprint)
- RPSC के स्तर के प्रश्नों के साथ-साथ विस्तृत उत्तर।
- प्रारंभिक परीक्षा के साथ मुख्य परीक्षा पर विशेष फोकस।
- RAS की आगामी भर्ती के अनुसार समय सारणी।
- Toppers एवं Senior Mentor's से one-to-one संवाद।
- रिवीजन पर विशेष बल।

SCAN QR CODE

BUY NOW

Online Test Series Available on - Download & Join SAMYAK IAS

Near Riddhi-Siddhi, Gopalpura Bypass, Jaipur 9875170111